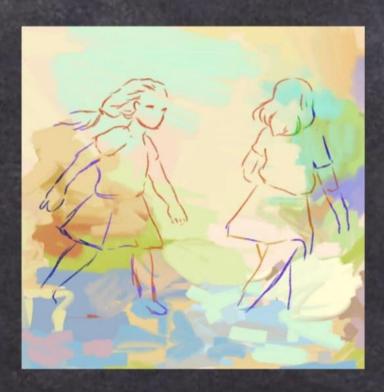


## W

## वो अलबेलापन





बचपन की यादें बड़ी सुहानी
आओ सुनाएँ यह कहानी,
सुला देती थी दादी की लोरियाँ
मुस्कुराहट में छिपी शरारतें जैसे
गिलहरियाँ।

स्कूल में दोस्तों से मिलकर खेलना लुका-छुपी साथ पढ़ना गणित और भाषा- लिपी, बारिश में बनाए काग़ज़ की कश्ती हर दिन करे खूब मस्ती।

यादें रह गयी, छूट गया बचपन, जाने कहाँ छिप गया वो अलबेलापन।

खुशी गुप्ता 11 B



